भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 534
उत्तर देने की तारीख: 17.09.2020

भारतीय शिक्षण संस्थाओं की रैंकिंग को सुधारने के लिए योजना

534.# श्री नीरज डांगी :

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की रैंकिंग सुधारने और देश में शिक्षण संस्थाओं में शोध और विकास कार्य को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार द्वारा तैयार की गई विशेष कार्य योजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन योजनाओं के अंतर्गत शोध कार्य कर रहे शिक्षकों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना है;

(ग) निजी क्षेत्र को शोध योजनाओं से जोड़ने के लिए क्या-क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): भारत सरकार उच्चतर शिक्षा संस्थानों को विश्व स्तरीय शिक्षण और अनुसंधान संस्थान बनानेमें सहायता करने हेतु उन्हें सशक्त बनाने के लिए राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध है। इस संदर्भ में, वर्ष 2017 में उत्कृष्ट संस्थान (आईओई) योजना शुरू की गई है, जिसके तहत यूजीसीने 10 सार्वजनिक और 10 निजी संस्थानों को उत्कृष्ट संस्थान घोषित किया है। योजना का उद्देश्य उन्हें विश्व के किसी भी प्रसिद्ध रैंकिंग फ्रेमवर्क में शीर्ष 500 के भीतर रैंकिंग प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। सरकारी संस्थानों को पहले से मिल रहे अनुदान के अतिरिक्त पांच साल की अवधि में 1000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। निजी क्षेत्र से चयनित संस्थानों को नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए स्वायत्तता होगी। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु बल प्रदान करने के लिए विभिन्न गुणवत्ता पहलें जैसे परीक्षा सुधार, अनिवार्य इंटर्नशिप, छात्रों के लिए प्रवेश कार्यक्रम, मॉडल पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण, इंटर्नशिप, उद्योग की तत्परता मान्यता, स्टार्ट-अप और शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल आदि शुरू की हैं।

(ख): सरकार ने एस एंड टी विषयों जैसे बुनियादी वैज्ञानिक अनुसंधान (बीएसआर), उत्कृष्टता की संभावना वाले विश्वविद्यालय और कॉलेज (यूपीई/सीपीई), इम्पैक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (इम्प्रिंट) और उच्चतर आविष्कार योजना (यूएवाई) योजनाएं, इम्पेक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज (इम्प्रेस), स्कीम फॉर ट्रांस-डिसीप्लीनरी रिसर्च फॉर इंडियाज डेवलपिंग इकोनोमी (स्ट्राइड), स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलेबोरेशन, लघु और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं (एमआरपी), उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, रिसर्च पार्क और टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (टीबीआई), प्रधान मंत्री अनुसंधान फेलो, भारत में अध्ययन, अनुसंधान कार्यशालाएँ, सेमिनार और सम्मेलन तथा एमेरिटस फ़ेलोशिप आदि में वित्तीय सहायता के साथ भारतीय शिक्षा संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में सुधार लाने के लिए और विभिन्न योजनाओं, पुरस्कारों,

फैलोशिप, पदों और कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालयों/संस्थानों में अनुसंधान की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनेक पहलें की हैं।

(ग) और (घ): जी, हां। एआईसीटीई अपनी योजनाओं नामत: संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी), सम्मेलनों के आयोजन के लिए अनुदान और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/सेमिनारों में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान के तहत अनुसंधान कार्य कर रहे शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

*****